अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंक 262 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | अप्रैल 2020

घोर तप से काट दी, जिसने कर्म जंजीर को।
है हजारों बार वन्दन, उस परम प्रभु वीर को।।

अध्यक्षीय

सादर जय जिनेन्द्र

महान और अक्षुण हिन्दू संस्कृति का खूबसूरत हस्ताक्षर हिन्दू संवत्सर (रामनवमी) नव वर्ष की आप सभी को शुभकामनाएं।

चैत्र शुक्ला त्रयोदशी यानि महावीर जयंती का गरिमामय आध्यात्मिक पर्व हम सबको अपनी पहचान करवाने आ रहा है। भगवान महावीर अहिंसा के पुजारी थे। बचपन से लेकर लक्ष्य सिद्धि तक हर समय हर पल उन्होंने अहिंसा को जीया और अपने भीतर आत्मसात किया। अहिंसा उनके कण-कण में हर उपदेश में, पूरे परिवेश में समाहित थी। हम सब उनके आर्दशों को अपनाना चाहते है और अपना जीवन संवारना चाहते हैं।

बहनों! 'जीओ और जीने दो' भगवान महावीर की इस वाणी का अर्थ ही बदल रहा है। आधुनिक कहलाने के शौक में घर में कुत्ते, खरगोश, चिड़िया एवं मछलियां रखकर कर्मों का बन्धन करते है पर क्या ?

1. एक जैनी होकर हम सही कर रहे है?
2. ऐसे माहौल में कैसे बचाएं अपने श्रावकत्व को ?
3. कैसे जीवन की शान्ति का आधार अहिंसा को अपने जीवन में उतरेंगे ?
4. कैसे संस्कार देंगे आने वाली पीढ़ी को? इस पर चिन्तन करना है।

जीवन में संस्कार का, सब से ऊँचा स्थान
करता संस्कार सदा, अपना अनुसंधान

भगवान ने कहा - अप्रमाद शाश्वत अप्रकाशी दीप है। उससे हजारों-हजारों दीप जल उठते है। हर व्यक्ति अपने भीतर में दीप है लेकिन उस पर प्रमाद का ढक्कन पड़ा है, जिसने उसे हटाने का उपाय जान लिया, वह महावीर की तरह जगमगा उठा।

कहा गया है 'अप्प दीपो भव' अपना दीप स्वयं बनें स्वनिर्मित उजास में सजग कदम रख कर चले। विकास के खुले दौर में क्या खोया, क्या पाया इसकी समीक्षा करते हुए आत्म चिन्तन के आईने में स्वयं को निहारें की कहीं स्वतन्त्रता व अधिकारों के नाम पर स्वच्छन्दता तो अपने पैर नहीं पसार रही ? आज बढ़ता हुआ तलाक का ग्राफ, टूटते परिवार-बिखरते रिश्ते, दिन प्रतिदिन खुल रहे वृद्धाश्रम, 'ऑनर किलिंग' तथा लिव इन रिलेशनशिप जैसी विसंगतियाँ भविष्य के द्वार पर दस्तक दे रही है। हमें गंभीरता से विचार करना है कि आज के युग में हमारी वास्तविक भूमिका क्या है?

अहिंसा के पुरोधा भगवान महावीर के अनुयायियों के मध्य ऐसे आतंक छा रहे है तो यह अत्यन्त सोचनीय विषय बन जाता है। बहनों! मनसा, वाचा और कर्मणा द्वारा हम इन आतंक रूपी बादलों को हटाने का दृढ़तम प्रयास करेंगें - ऐसा संकल्प हमारी प्रत्येक सदस्या बहन स्वीकार कर ले तो समाज में एक क्रान्ति की लहर दौड़ते बिल्कुल भी समय नहीं लगेगा और हमारी इस सशक्त आवाज की बुलन्दी हर गलत निर्णय कर्ता को पुर्नविचार हेतु मजबूर कर देगी।

हम श्रद्धासिक्त भावों से नमन करते है प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभनाथ के अक्षय स्वरूप को, जिन्होंने असि, मसि और कृषि का प्रशिक्षण देकर जन जीवन को झंकृत किया। केवल नियति के सहरे जीने वालों को कर्तृत्व बल पर जीना सिखलया। जीवन की अक्षय, सनातन परम्परा का विकास किया। युग बदलते गए पर वह सामाजिक और आध्यात्मिक रोशनी आज भी उसी 'शिव' की महिमा की साक्षी बन विद्यमान है भगवान ऋषभ के द्वारा प्ररपित जैन शासन का इस युग में भगवान महावीर ने पुनः निरूपण किया। अहो भाग्य! कि हम सब इस जैनत्व के स्वर्णिम परिधान

में अपने आपको गौरन्वावित और सुरक्षित महसूस कर रहे है। निर्जरा का महान महोत्सव है अक्षय तृतीया। अक्षय तृतीया के दिन राजकुमार श्रेयान्स ने प्रभु को इक्षु रस द्वारा वर्षी तप का पारणा करवा कर महान पुण्य का संचय किया और अशुभ कर्मों की निर्जरा की।

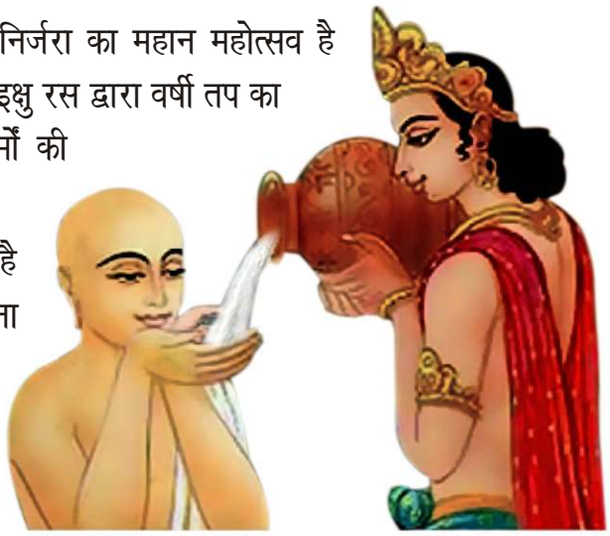

वर्तमान युग में गिने चुने लोग ही तपस्या कर पाते है आवासीय दूरियां होने के कारण अन्तर्मन से न तो गोचरी की भावना भाते है और नहीं साधु साध्वियों को शुद्ध दान दे पाते है फिर कैसे होगी हमारी कर्म निर्जरा ?

नमन करते है वर्षीतप करने वाले भाई-बहनों को जिन्होंने तप रूपी महाकुम्भ में स्नान करके निर्जरा से स्वंय को अभिस्नात किया। अभातेममं की तरफ से आपको हार्दिक बधाई एवं साधुवाद।

तेरापंथ धर्मसंघ के दसवें अधिशास्ता योगीपुरुष महाज्ञानी प्रेक्षा प्रणेता आचार्य महाप्रज्ञजी की ग्यारहवीं पुण्यतिथि के उपलक्ष में भावभरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी साहित्य जगत के दैदीप्यमान नक्षत्र थे। उन्होंने न्याय, दर्शन, काव्य, व्याकरण, जीवन विज्ञान, योग, अध्यात्म जैसी विविध विद्याओं एवं समसामयिक समस्याओं पर सर्वाधिक ग्रन्थ लिखे। आपके चिन्तन एवं वक्तव्य से प्रभावित होकर रामधारी सिंह दिनकर ने आपको "आधुनिक विवेकानन्द" की उपमा से नवाजा। जैन दर्शन के पंडितों ने आपको "आचार्य सिद्धसेन" की उपमा से उपमित किया।

आचार्य प्रवर के ये अवदान चिरकाल तक जन मानस को आलोकित करते रहेंगे। अगर हम उनके उपदेशों को किंचित भी जीवन में उतार पायें तो परमानंद और परम पवित्र पथ के पथिक बन सकते हैं। प्रज्ञा विनय और समर्पण के पयार्य आचार्य महाप्रज्ञ मानव शरीर में महामानव थे। व्यक्ति नहीं व्यक्तित्व थे। उनकी कृर्तत्व क्षमता अमाप्य थी। महिला समाज के लिए असीम कृपालु, शुभचिंतक के रूप में जिनका सदैव मार्ग दर्शन मिला। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को जिनका कुशल निर्देशन मिला। आज उस महान आत्मा के प्रति कृतज्ञता भरे भावों के साथ समस्त महिला समाज की तरफ से हार्दिक श्रद्धांजलि, श्रद्धाभरा नमन।

मानवता के हर जख्म के मरहम थे महाप्रज्ञ, विनय, समर्पण, प्रज्ञा के, सरगम थे महाप्रज्ञ।।
तुलसी की परछाई बन रहे हर मोड़ पर जो, वे पुस्तक, पोथी नहीं, पूरे आगम थे महाप्रज्ञ।।

आपकी

पुष्पा बैद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का नया प्रोजेक्ट 'नन्ही कली'

जय जिनेंद्र,

बीज पेड़ बनने से पहले कली के रूप में खिलता है उस वक्त अगर कली को सही पोषण और अच्छी देख रेख हो जाए तो वह वृक्ष स्वस्थ बनता है। खूब फलता-फूलता है। उसी तरह जब लड़कियां नन्ही कली के रूप में रहती है तो उसे सही शिक्षा और संस्कार मिल जाए तो सिर्फ वही ही नहीं पूरी आगे की पीढ़ी शिक्षित और संस्कारी हो जाती है। यह बीड़ा उठाएंगे हम और आप, यानी अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के सभी शाखा मंडलों को इस प्रोजेक्ट को लॉन्च करना है। शाखा मंडल अपने क्षेत्र में हो सके जितनी 1,2,3 बेटियों को पढ़ाना है। कहा गया है कि "विद्या दानं" विद्या का दान सबसे बड़ा दान होता है। यह योजना एक साल के लिए हैं अभी एडमीशन हो रहे हैं, साल भर में आप कितनी बेटियों को पढ़ाते हैं वह रिपोर्ट देनी है। संयोजिका - नन्ही कली, श्रीमती अनीता चोपड़ा 9840423534

ऊर्जावाणी

हमारे देश की नयी पीढ़ी दोहरे जीवन मूल्यों से गुजर रही है। एक ओर उसके पास अपनी सांस्कृतिक विरासत है तथा दूसरी ओर है भोगवाद की चकाचौंध। इस चकाचौंध में त्याग की चेतना ओझल हुई है और युवापीढ़ी मूल्यहीनता के अंधेरे कुएं में उतर रही है। भोगवादी मनोवृति से जुड़ी उसकी आकांक्षाएं उसे चरित्र और नैतिकता के रास्ते से भटका रही है। अणुव्रत और प्रेक्षाध्यान का आमंत्रण है इस पीढ़ी के सजग दावेदारों को, वे जीवन की रिक्तता को महसूस करे और उसे मूल्यों की मशाल से जगमगा दे। ऐसा करके ही युवा पीढ़ी अपने समुज्जवल चरित्र की छाप छोड़कर भारतीय संस्कृति के गौरव को अक्षुण्ण रख सकती है।

आचार्य श्री तुलसी

प्राणायाम में एक प्राणायाम है सूर्यभेदी प्राणायाम। सूर्यभेदी प्राणायाम प्राणशक्ति को मजबूत बनाने वाला और तेजस्विता को बढ़ाने वाला होता है। यह प्राणायाम सबसे बड़ा टॉनिक है यौवन की सुरक्षा का। जो सूर्यास्त के ढाई घंटे बाद और सूर्योदय से ढाई घंटे पहले सूर्यभेद प्राणायाम करता है वह चिरयुवा बन जाता है। उसमें कभी बुढ़ापे का लक्षण प्रकट नहीं होता।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ

जैन वाड्मय का एक सुन्दर सूक्त है - धम्मो दीवो पइट्ठा य गई सरणगमुत्तमं। जरा और मृत्यु के वेग से बहते हुए प्राणियों के लिए धर्म द्वीप, प्रतिष्ठा, गति और उत्तम शरण है। जैन दर्शन आत्मा के त्रैकालिक अस्तित्व को स्वीकार करता है। उसका मानना है कि आत्मा अतीत में कहीं थी, वर्तमान में है और भविष्य में रहेगी। इस मान्यता के आधार पर मृत्यु के बाद फिर जीवन मिलता है इसलिए आदमी को भविष्य के बारे में भी चिंतन करना चाहिए। भविष्य भी उसी का अच्छा बनता है जिसका वर्तमान अच्छा होता है। एकमात्र धर्म ही ऐसा तत्व है जो वर्तमान और भावी, दोनों को उजला बनाने वाला है।

जो व्यक्ति केवल पदार्थ-सुख में आसक्त रहता है, आत्मिक-सुख की ओर अग्रसर नहीं होता। समझदार आदमी पदार्थों से खुश नहीं होता, वह तो परम वस्तु को पाकर ही प्रसन्न होता है।

धर्म एक ऐसा मार्ग है, जिस पर चलने वाला व्यक्ति उस परम तत्व को प्राप्त कर सकता है। उसकी प्रवृत्ति अहिंसा, संयम, ईमानदारी आदि से अनुप्राणित हाती है। अपेक्षा है, आदमी के जीवन में यह निष्ठा जाग जाए कि मैं ईमानदारी के रास्ते पर चलूंगा। नैतिकता, मैत्री, करूणा, अहिंसा ही तो धर्म है। धर्म ही व्यक्ति के लिए शरण और त्राण होता है। जीवन का आनन्दमय सूत्र होता है।

आचार्य श्री महाश्रमण

जैन धर्म सम प्रधान धर्म है, सम का अर्थ है समानता। संसार में जितने प्राणी है उन सबमें चैत-जगत समानता है। छोटे बड़े सभी प्राणियों में एक समान चेतना है। अन्य प्राणियों की अपेक्षा मनुष्य की चेतना अधिक विकसित होती है, पर मनुष्य-मनुष्य की चेतना में कोई अंतर परिलक्षित नहीं होता, फिर भी प्रांत, भाषा, राष्ट्र, धर्म, जाति, रंग आदि को आधार बनाकर मनुष्यों का बंटवारा किया जाता है। मानवीय दृष्टि में ऐसे बंटवारे का कोई औचित्य नहीं है। जैन जीवन शैली के आधार पर जीने वाला व्यक्ति समानता के सिद्धान्त में विश्वास करेगा। उसका आचार व व्यवहार समानता के आधार पर चलेगा। "एक्का-मणुस्सजाई" उसका आस्था सूत्र होगा। वह जाति भेद व रंगभेद को महत्व नहीं देता। जैन चिन्तन में जातिवाद वास्तविक नहीं है। उस जीवन शैली में जातीय संघर्ष पनपने का आधार नहीं रहेगा।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

करणीय कार्य

चार भावना

भावना साधना का एक महत्वपूर्ण आयाम है। अनादि काल से संसारी आत्मा संसार में परिभ्रमण कर रही है। इस चक्र से मुक्त होना अध्यात्म साधकों के लिए एक पहेली है। इसे भेदने के लिए अनुभव सिद्ध ऋषि-मुनियों ने भावना को एक अचूक साधना बताया है। कैसे भी कषाय व वासना जन्य संस्कार क्यों न हो, भावना के प्रयोग व अनुचिन्तन से उन संस्कारों को न्यून व क्षीण किया जा सकता है। फलतः वह संसार चक्र से मुक्त बन जाता है।

अप्रैल में सभी शाखा मंडल एक गोष्ठी करें, जिसमें आपको 'चार भावनाएं' दे रहे हैं। प्रत्येक में एक कहानी है। गोष्ठी में बहनें कहानी के माध्यम से प्रत्येक भावना का उल्लेख करें- कोरोना वायरस के चलते समयानुसार गोष्ठी करें

अन्यत्व भावना

जहाँ देह अपनी नहीं, तहां न अपना कोय।
घर संपति पर प्रकट ये, पर हैं परिजन लोय।।

चिन्तन- जब मेरा शरीर ही मेरा नहीं तो घर, परिवार, कुटुम्ब, धन आदि मेरे कैसे हो सकते है? व शरीर व आत्मा अलग-अलग है। शरीर जड़ नाशवान, अस्थिर व क्षणभंगुर है। पर आत्मा शाश्वत है।

फल - शरीर के प्रति मोह व आसक्ति में कमी आती है। आत्म स्वरूप का भान होता है। आत्मा की विशुद्धता की तरफ प्रयास करने की प्रेरणा मिलती है।

कहानी - मृगापुत्र।

अशुचि भावना

दीपै चाम चादर मढ़ी, हाड़ पिंजरा देह
भीतर या सम जगत में, और नहीं घिन गेह।।

चिन्तन - शरीर मल-मूत्र, रक्त-मांस आदि अशुचि का भण्डार है। अतः तन को सजाने-संवारने के बजाय आत्मा को (मन को) साधने की आवश्यकता है। जो संयम तपादि द्वारा संभव है।

फल - अपने शरीर के सौन्दर्य, सौष्ठव पर मद या अभिमान नहीं करके आत्मा को सुन्दर गुणों से विकसित करने की प्रेरणा मिलती है।

कहानी - तीर्थंकर मल्लिकुमारी व चक्रवती सनत्कुमार।

आस्त्रव भावना

जग वासी घुमें सदा, मोह नींद के जोर।
सब लुटे नहीं दीसता, कर्म-चोर चहुँ ओर।।

चिन्तन - कर्मों का आगमन आश्रवद्वारों से होता है जब तक ये आश्रव द्वार खुले हैं, तब तक मनुष्य अपने निज स्वरूप को भूलकर संसार में बार-बार जन्म मरण कर दुःख, कष्ट झेलता है।

फल - आश्रव द्वारों के स्वरूप व कारणों को समझकर, उसके फल का चिंतन कर, उनसे बचने का प्रयास करने की प्रेरणा मिलती है।

कहानी - समुद्रपाल।

संवर भावना

मोह, नींद जब उपशमे, सतगुरु देय जगाय।
कर्म-चोर आवत रुके, तब कुछ बने उपाय।।

चिन्तन - आत्मा पर आश्रव द्वारों से आने वाले कर्मों को कैसे रोका जा सकता है? सम्यकत्व, वृतादि संवर उपायों पर चिंतन करना।

फल - इससे मनुष्य में धर्मपूर्वक तप, समिति, गुप्ति, परिषह विजय आदि से सम्यकत्व, सद् आचरण की प्रवृति बढ़ती है जिससे कर्म आगमन रूकता है।

कहानी - श्री हरिकेशी अणगार।

स्व से संकल्प

महामहिम प्रेक्षा प्रणेता दशमें आचार्य प्रवर के महाप्रयाण दिवस पर सम्पूर्ण महिला समाज की ओर से हार्दिक श्रद्धांजली।

महामना आचार्य प्रवर की पुण्यतिथि पर सवा लाख माला जप अनुष्ठान द्वारा श्रद्धा समर्पण भेंट।

"ओम श्री महाप्रज्ञ गुरुवे नमः" सवा लाख माला जप अनुष्ठान।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आध्यात्मिक भावना के साथ आत्मोत्कर्ष करते हुए जप अनुष्ठान द्वारा महामना को श्रद्धासिक्त नमन करें। प्रत्येक संभागी को प्रतिदिन 13 माला फेरनी है। कृपया प्रत्येक महिला लगभग 3 महिने तक प्रतिदिन 13 माला फेरें। यह जप सभी शाखा मंडल 30 मार्च से 30 जून तक करें।

कंठस्थ ज्ञान

भक्तामर स्तोत्र का 21–24 चार पद्य याद करें एवं चोबीसी की छठी गीतिका 'पदम प्रभु' की याद करें।

जयपुर - राजस्थान महिला एवं बाल विकास आयोग द्वारा अ.भा.ते.म.मं. की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा बैद 'विशिष्ट महिला सम्मान' से सम्मानित

जयपुर में राजस्थान सरकार की ओर से राजस्थान महिला एवं बाल विकास आयोग द्वारा २ मार्च से ८ मार्च तक अंतराष्ट्रीय महिला सप्ताह के रूप में मनाया गया। जिसमें 2 मार्च को "मैं शक्ति हूं" कार्यक्रम साइन ऑडिटोरियम में रखा गया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद को "विशिष्ट महिला सम्मान" से सम्मानित किया गया। गौरवमयी उपस्थिति में महिला बाल विकास मंत्री ममता भूपेश-राजस्थान सरकार, निर्देशक महिला एवं बाल विकास आयोग पी.सी. पवन, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री सुभाष गर्ग, शासन सचिव राजस्थान सरकार के. के. पाठक और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की राजस्थान ब्रांड एम्बेसडर अनुपमा सोनी थी। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ट्रस्टी सौभाग जी बैद, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, श्रीमती गुलाब जी बोथरा, श्रीमती सुशीला चौपड़ा, शहर मंडल अध्यक्ष श्रीमती नेहा नागौरी व सी-स्कीम महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती नीझ पुगलिया तथा दोनों मंडल की काफी बहनें उपस्थित थी।

विशिष्ट महिला को, मिला विशिष्ट सम्मान।
नारी शक्ति सम्मान पाकर, बढ़ाया संघ का मान।।

कन्यामंडल करणीय कार्य

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र,

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में आयोजित WOW Rally में आप सबके अद्भुत जोश, उत्साह व जुनून व रैली की सफलतम निष्पत्ति के लिए आप सभी को हार्दिक बधाई व साधुवाद। भविष्य में भी आप इसी उत्साह के साथ संघ व संस्था में विकास के परचम फहराते रहे यही मंगलकामना।

मार्च माह के अंत तक सभी बच्चों की परीक्षाएं सम्पन्न हो चुकी होंगी। कई कन्याएं कॉलेज के इन्टरव्यू की, तो कई Corporate World में कदम रखने की तैयारी कर रही होगी। ऐसे में आवश्यकता है Corporate Etiquettes के बारे में विशेष Training की। शिष्टाचार जीवन का दर्पण है जिसमें हमारे व्यक्तित्व का स्वरूप दिखाई देता है। तो आइये हम Corporate शिष्टाचार कार्यशाला का आयोजन करें व विशेष प्रशिक्षक से प्रशिक्षण प्राप्त करें।

आपकी दीदी
रमन पटावरी

Rise up with Corporate Etiquettes

प्रथम चरण

Introduction of Corporate Etiquettes -

1. Creating a Positive First Impression : It Play a Vital Role

Visual	-	How you look	-	55%
Vocal	-	How you sound	-	38%
Verbal	-	How you say	-	07%

2. Grooming : Is all about how you look and present yourself
   - Hygiene
   - Attire
   - Hair and Make up
   - Body Language
3. Dinning Essentials : Appropriate Table Manners
4. Telephone or Cellphone Conversations
5. E-mails
6. Behaviour

द्वितीय चरण

Corporate Companies में काम करने के लिए Freshers को Appropriate CV अर्थात् Curriculum Vitae की आवश्यकता होती है। एक उचित CV को बनाने में किन-किन बातों का विशेष ध्यान रख जाए इसके लिए हम अप्रैल के तीसरे शनिवार अर्थात 19 अप्रैल को 2-3 बजे

Make your CV The Best

एक विशेष Trainning का Face book live कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहे हैं जो सबके लिए विशेष उपयोगी साबित होगा, ऐसी हम आशा करते हैं। सभी शाखा मंडलों की कन्याएं अधिक से अधिक इस उपक्रम में सहभागी बनें।

मासिक संकल्प – इस माह महावीर जयन्ती व अक्षय तृतीया के आध्यात्मिक पर्व पर प्रतिदिन नवकारसी (सूर्योदय के पश्चात् 48 मिनिट तक चारों आहार का प्रत्याख्यान) का संकल्प करें।

कृतज्ञता के इन स्वरों में एक स्वर मेरा भी

आधी दुनियां का प्रतिनिधित्व करने वाली नारी को प्रेरणा और प्रोत्साहन मिलता रहे, उसके स्वाभिमान और सम्मान की सुरक्षा होती रहे तो पूरी दुनिया का बेहतरीन नजारा हमारे सामने होगा। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 8 मार्च 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर Women on Wheels WOW रैली का निर्देश अ.भा.ते.म.मं. द्वारा दिया गया। मुझे यह लिखते हुए अति प्रसन्नता हो रही है कि गुरुदेव की असीम कृपा एवं महाश्रमणी जी के आशीर्वाद से सभी शाखा मंडलों ने इस भव्य आयोजन को बड़े जोश व उत्साह के साथ मनाया। हमने अपना लक्ष्य Bike Rider के लिए बनाया आपने उस लक्ष्य को दुगुना करके दिखाया। मैं अपनी बहनों का कार्य के प्रति जुनून को नमन करती हूँ। रैली की सफलतम निष्पति के लिए बहुत-बहुत बधाई। इस रैली के पूरे कार्य संपादन में हमारी संयोजिका - नीतू ओस्तवाल एवं याशिक खटेड़ ने बहुत मेहनत की है और उनकी मेहनत का ही प्रतिफल है कि शाखा मंडलों ने इतना जबरदस्त कार्य करके दिखाया कि लिम्का बुक में रिकार्ड होने जा रहा है। मैं धन्यवाद देना चाहूंगी प्रचार प्रसार मंत्री निधि सेखानी को जिसने सभी शाखा मंडलों को सर्टिफिकेट बना कर उनके उत्साह को दुगुना किया है। सभी को तहेदिल से धन्यवाद।

मंजिल उसी को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है।
केवल पंखों से नहीं, हौंसलों से उड़ान होती है।।

पुष्पा बैद
राष्ट्रीय अध्यक्ष

---

8 मार्च को बनाया ऐतिहासिक, किया ऐसा प्रयास,
आप सभी की कोशिशों ने, महिला दिवस को बनाया खास,
नारी सशक्तिकरण की और, बढ़ाये जो कदम,
अ.भा.ते.म.मं. की कार्यकारिणी की मेहनत ने फहराये परचम,
क्षेत्रीय प्रभारी के मोटीवेशन से बहिनों में आया उत्साह,
बाईक रैली को बनाना है कैसे, सफल चल पड़े उस राह,
संयोजिका नीतू ओस्तवाल व याशिका खटेड की मेहनत है रंग लाई,
हमने विथ लाइसेंस रैली, पूरे देश में चलाई,
प्रूफ के साथ किया काम, नहीं था इतना आसान की पूरी तैयारी,
सभी बहिनों के प्रति कृतज्ञता व बहुत बहुत धन्यवाद, हम है आपके आभारी।

तरूणा बोहरा
महामंत्री

हम चले, आगे बढ़े... दुपहिया वाहनों पर, दुनिया की आधी ताकत केशरिया परिवेश में- देश की काली कजरारी सड़कों पर उतरी अपने टू व्हीलर्स के साथ- जिसे नाम दिया गया WOW-Women on Wheels.

इस कीर्तिमान की पृष्ठभूमि में हमें मिला धराधाम के महासूर्य परमाराध्य आचार्य श्री महाश्रमण जी का अंतहीन आशीर्वाद, मातृहृदया जगवत्सला महाश्रमणी साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभा जी का दिव्य दिशा बोध।

आभारी हूँ हमारी स्वप्न दृष्टा राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी बैद एवं महामंत्री श्रीमती तरुणा जी बोहरा का जिन्होंने मुझे सौंपी Women on Wheels की विराट जिम्मेदारी।

हमारे एक आह्वान पर, 8 मार्च को बुलंद होसलों के साथ, महिला शक्ति बढ़ चली, दुपहिया वाहनों पर- लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स में विश्व कीर्तिमान रचने। अ.भा.ते.म.मं. के इस अद्वितीय अभियान में मेरी सहयोगी बनी सुश्री याशिका खटेड (राष्ट्रीय संयोजिका, ABTKM) और हमारी कन्या मंडलों ने निभाई जागरूकता के साथ अपनी साझेदारी और कर्तृत्व की अविस्मरणीय ऋचाएं रचकर हमने लिखे इतिहास के नए अध्याय... इस जोश भरे साथ के लिए आप सभी के प्रति कोटिशः कृतज्ञता!

नीतू ओस्तवाल
राष्ट्रीय सहमंत्री - संयोजिका WOW

धन्यवाद, शुक्रिया, आभार

किन शब्दों में दूं आभार, शब्दों का चयन नहीं आसान
Women On Wheels सफलता ने दी शक्ति, कर रही बयान
पुष्पा जी की leadership में हमारी ideas को, मिला पूरा भरोसा
तरूणा जी के motivation ने हर पल, नई उम्मीदों को परोसा
नीतू जी के संग जिम्मेदारी निभाकर, कार्यभार हो गया इतना हल्का
रमन जी, नमिता जी और प्रज्ञा ने निभाया साथ हर कदम, हर पल का
महिला व कन्या मंडल संयोजिकाओं को आभार दिये बिना, होगा सब अधूरा
हर एक की मेहनत से, होगा लिम्का बुक रिकॉर्ड में दर्ज होने का सपना पूरा
उत्साह, उमंग और उल्लास पूरे देश में काबिल – ए – तारीफ था
दूर – दूर तक गूंज हुई, सर्वत्र पता चला महिला शक्ति का
उम्मीद से दुगुना target हासिल करने पर, देते हैं सबको बधाई
Driving rules को follow करते हुए, हमने ये नई उंचाइयां है पाई
नई सखियों का साथ मिला, रिश्तों की पुंजी कमाई हमने मोटी
इस अवसर के लिए कृतज्ञ हूं, यूं ही देते रहियेगा आशीर्वाद कोटि – कोटि

याशिका खटेड, चेन्नै
राष्ट्रीय संयोजिका, Women On Wheels
राष्ट्रीय कन्या संयोजिका

शाखा मंडलों से Women on Wheels -WOW रैली के अभी तक प्राप्त परिणाम एवं प्रेरणा सम्मान

Sr No.	Branch name / State Name	Two wheeler	Other participants	Total	Prerna Saman
1	Ahmedabad	527	450	977	Smt. Bijal patel (Myore) Smt. Leela Ankoliya (Director of national Commision Guj.) Smt.Bhela Nahta
2	Ambajogai	85	35	120	Smt. Simta Baheti Smt. Naba Valvadkar
3	Ambika Pur	5	25	30	
4	Amet	40	60	100	Smt. Gajri Devi Bapna
5	Amraiwadi	25	25	50	Dr. Chandravati V. Chauhan (corporator)
6	Araria Court		70	70	Miss. Roji Kumari (SDO) Smt. Reena Bhutoria (Ward Commissioner)
7	Asind	5	120	125	Smt. Pratibha Mewara
8	Aurangabad	70	25	95	Smt. Harsha Aabad
9	Baikunthpur	4	11	15	kamla Devi Jain
10	Balangir	10	45	55	Mrs. Umadevi Jain
11	Balotra	735	423	1158	Arti Ji Mantri (Vivekanand trust member) Ganga Ji Choudhary (social service officer) Nitu Ji Chopra Chandra Ji Balaad (vice president of mahila mandal ,balotra)
12	Bardoli	400	0	400	Mayurikaji Jadhav Jigyaji Parmar (Executive Megistrate) DYSP Rupal N Solanki CEO Komal Dinriya
13	Baroda	45	20	65	Smt. Shkuntla Mehta (corporator)
14	Barpeta road	20	17	37	Anjana Saha (Yoga teacher) shashi Bothra
15	Beed	12	13	25	Dr. Deepatai Shirsagar
16	Belapada	10	10	20	kashalya Devi Jain Shanti lata Jain
17	Bellary	69	55	124	NGO Chief Dr. Bindu , Nikita, Vasha

18	Belly Belur	13	104	117	Nitu Chajjet (international Painter) Amita Baid (Bakery Owner) Ragini Ray (Vehicle Trainer)
19	Berhampore	10	30	40	Gaytri Parwal
20	Bhatta Madhubani		50	50	Smt. Sarita Roy (Word Councillor)
21	Bhilwara	100	108	208	Pooja galodhiya (International Snooker Coach)
22	Bhubaneshwar	90	75	165	Suchitra das
23	Bhusawal	13	24	37	
24	Boisar	50	60	110	Smt. Mittali Raut
25	Bongaigaon	5	61	66	smt. Chanda devi Surana Smt. Neetu Mal
26	Bongaigaon (south)	12	40	52	Shanti Devi Samsukha Sayar Devi Dakalia
27	Borawar	20	50	70	
28	Chas Bokaro	5	5	10	Smt. Manju Sethia
29	Chennai	96	105	201	Dr. Shanta (director of adyar cancer hospital) Dr. K Krishnaveni (social worker) Lalitha bai Janghra (Social worker under khushi trust)
30	Chikhli	17	33	50	Smt. Dipti Shah Vandana Patel Indraben sisodiya
31	Chikmagalur	82	69	151	Jehraj Bai accha
32	ChitraDurga	11	15	26	Rama Nagaraj
33	Chittorgarh	42	58	100	Sarita ji Singh (ADYSP) Kalyani Ji Dixit (district education officer)
34	Coimbatore	23	37	60	
35	CoochBehar	12	90	102	Savita sethia
36	Cuttak	65	160	225	Dr. Guru Shyammani Pantnayak (Musician)
37	Dabwali	15	180	195	Smt. Sudha Kamra
38	Dalkhola	14	80	94	Smt. Chanda Devi gadhia
39	Davangere	10	10	20	
40	Deesa	19	30	49	Shilpa ben Solanki
41	Delhi	75	325	400	**Kanchan Maheshwari. Jyoti daga. Suraj batodiya suman duggad dimple jamad**
42	Devgarh	25	45	70	Sunita Achha
43	Dungri	43	55	98	Mrs. Praveena patel (District Civilized)
44	Durg Bhilai	42	30	72	Dr. Mansi Gulati (Social worker) Smt. Neeta jain (Social worker)
45	Faridabad	18	120	138	smt. Usha Kiran (Social worker)
46	Forbesganj	0	62	62	Kanta Golchha Anamika Jhabak Anita Bariwala Sunita ladha
47	Gadag	30	30	60	Gangamma Panwar
48	Gandhinagar	140	210	350	Mrs. Prema Kariappa Mrs. Bharti Singh
49	Gangapur	2	78	80	
50	Gangavathi	8	19	27	
51	Gudiyattam	38	72	110	
52	Gulab Bagh	23	105	128	Smt. Swati Basantri Smt. Gunja Bengani

53	Guwahati	204	111	315	Binita Jain (Cordinated Royal Global School)
54	hanumanth Nagar	55	75	130	Manjula Ravi Subramanyam Sunder devi Katrela
55	Hassan	23	22	45	Kanchan Mala
56	Hiriyur	25	35	60	
57	Hisar	50	150	200	Smt. Lakshmi Mittal (Social worker)
58	Hubli	40	139	179	Dipti Khona
59	Hunsar	18	35	53	Sister Anita Shanthi Menezes
60	Hyderabad	120	90	210	Smt. Sarita Surana (Editor Of Subh Labh Newspaper) Smt. Nisheeta Dixit Agarwal
61	Ichalkaranji	28	41	69	Sushila Ji chopra
62	Indore	92	57	149	Dr. Renu Jain Dr. Vanchana singh Parihar
63	Jagdalpur	120	100	220	Vandana Shriwastava Sharifa sahu (Myore)
64	Jaipur C- Scheme	53	150	203	Dr Archana sarma (Vice President & Media Chair Person)
65	jaipur City	257	254	511	Archna Sharma (Vice President) Smt. Sheela Ji Agarwal (Social Worker) Shilpi Shah (Social Activist)
66	Jalgaon	85	72	157	Smt. Nilima Ji Sethiya Smt Rajkumar baldi
67	Jalna	34	30	64	Smt. Sangeeta Ji
68	Jasol	45	105	150	Renu Purohit Rekha Chopra Rekha Dosi chopra
69	Jodhpur	75	117	192	Dr. Priti Vyas Mrs.Kamla Choudhary Mrs. Asha Singhvi
70	Kalanwali	16	60	76	Smt. Anu Goyal (Social worker)
71	Kamrej	75	125	200	Smt. Vandana Ben Tomar (Chairman Of security police) Rachna ji Patel Smt. Leela Ji Mandot
72	kankroli	55	95	150	Rekha Ji Soni (Advocate) Anushka ji Surupriya (social Worker)
73	Kantabanji	24	24	48	Smt. Gomti Devi Jain Smt. Mamta Jain
74	KGF	26	22	48	Smt. Vijay lakshmi karunakaran
75	Kim	28	28	56	Smt. Archana Ben Dr. Amisha Ben Laad Smt. Shanta ben Pokharna
76	Kolkata Purvanchal	9	107	116	Smt. Jatan devi bengani Smt. Premlata Daftari
77	Koppal	20	20	40	
78	Liluah	13	57	70	Mrs. Bimala Bothra
79	Limbayat(Surat)	26	44	70	Smt. Sangeeta Patil (legislature) Smt.Pratiksha Patel Smt Sameeta Patel
80	Ludhiana	60	170	230	Dr. Ritu Ahuja
81	Madhya Kolkata	6	41	47	Smt. Maju Butodiya (Advocate High Court) Smt. Gopa Barmn (principal Of Gyan bharti school)
82	Madurai	70	100	170	Mrs. Kumkum Agarwal
83	Mahad - Madgaon	28	10	38	Dr. Sandhya Bhutala

84	Malegaon	8	18	26	
85	manendragarh	7	32	39	
86	Mumbai	1191	2509	3700	Smt. Vimla ji Duggad
87	Mysore	105	57	162	Dr. Dharini Malgatti Dr. Jayshree
88	Nagpur	56	45	101	
89	Nanjangud	25	25	50	Mrs. Yasmeen Taj Dr. Kamlakshi MK Mrs. Shantama BS.
90	Nathdwara	32	93	125	Saroj Surya Smt. Leela ji dagliya Smt. Mangi Bai Pagariya
91	Navsari	81	88	169	Sheetal Soni Anita Ben Chhajed
92	Noida	19	31	50	Smt. Madhu Kishwar Ji Smt. Suman Bodhra
93	Palghar	60	55	115	smt. Dr. Ujawal Kale Smt Laxmi Devi hajari
94	Pali	400	550	950	Mrs. Rekha Bhati (Chairman Pali) Mrs Aruna Lodha (Social Worker)
95	panchkula	15	60	75	Smt. Ishwari Devi (Social worker)
96	Panta	8	62	70	Smt. Saroj Jaiswal ((Director Of International school,President Of Patna City) Smt Usha Paudar (Founder of progressive coaching centre) Sh. Rakesh Roshan jain(SDO Of Patna City)
97	Parwat Patiya	61	120	181	Smt. Sudha Ji Nahata Smt. Rachna Parakh
98	Patna Junction	45	65	110	(Padam Shree) Dr. Shanti jain Shashi Ji Vohra (National board Member ABTMM)
99	Petlawad	30	71	101	Smt. Sangeeta Ji Patwa Smt. Chandra Kanta Ji Pipara
100	Pimpri-Chinchwad	35	100	135	DCP Madhuri Patil Manju Gelda Jay Shree Shah Madhvi Tai Bhide Jyotsana Mudha
101	R.R. nagar	53	52	105	Smt. Annapoornaram
102	Raipur	321	82	403	Smt. Leela Ji Jain (Social worker) Dr. manjusha Veshyapan (physiotherapist) Smt. Saroj Bagmar(Social worker)
103	Rajaji Ka karera	9	191	200	Sarita Devi (Principal Of Girls School) Anshu Devi Tiwari (Principal Of LSP. School) Pushpa Devi tak (Sarpanch, rajaji ka Karera) Reena Devi Ranka (Adyaksha Sthankvasi mahila Madal) Pooaj Banvat (Adyaksha Sthankvasi Kanya Madal)
104	Rajajinagar	57	66	123	X Mayor G. Padmavati Deepa Nagori
105	Rajmundri	18	22	40	S I Tejovati
106	Rajnandgaon	25	25	50	Hemaji Deshmukh Khushi Sonchatra
107	Rajsamand	60	70	130	Asha ji Paliwal (President)
108	Rourkela	50	100	150	DIG Mrs. Kavita ji Jalan (western Zone) Mrs. Madhu Kothari
109	Sachin (surat)	51	100	151	smt. Deepika Bhavsar
110	Salen	78	42	120	Smt. N.Gunawathy (Judge)

111	Saphale	16	47	63	Smt. Sheetal Patel
112	Shahada	60	31	91	
113	Shivmoga	16	24	40	Sunitha Chethana
114	Shri Dungargarh	25	105	130	Smt. Dapu Devi daga Chandrkala Devi Borad Smt. Dr. Krishna Gehlot Sh. Vijay Laxmi Pareek
115	Silchar	38	112	150	seetha Lakshmi Kannan
116	Siliguri	73	127	200	Incpector mumtaj Begum Pratima Dey (Station officer) Khushbhu Mittal (ward Commisioner) Ringu Shorya (Padamshree Awardee)
117	Sindhekela	13	39	52	Ramkali Devi Susheela Devi
118	Sirsa	30	150	180	Smt. Magan Devi Surana
119	Solapur	18	34	52	
120	South Howrah	23	157	180	Pratiksha Jharkhriya Smt. Sashi AgniHotri (Mahila Morcha WB) Anita Singh (EX Councillor)
121	South Kolkata	6	135	141	sangeeta Tondon (principal of Shikshyatan School) Kalpana Baid (First Lady CA Of MP) Suraj Bardia (Eminent Social Worker) Jayshree Daga (Motivational Speaker)
122	Surat	550	250	800	Priti Joshi (Advocate)
123	T. Dasarahalli	27	36	63	Sh. Uma devi nagraj
124	Tezpur	15	25	40	Smt. Pushpa ji deka (Chairperson of tezpur municipal Board)
125	Thirukalukundram	6	9	15	
126	Tirupur	59	101	160	
127	Titilagarh	11	44	55	Mrs. Rati Jain (Dietitian)
128	Tohana	7	70	77	Dr. Kusum Gupta Sneha Jain
129	Tollyganj Kolkata	20	65	85	Mrs. Navneet Singh (Kolkata Head-Bikerni)
130	Udaipur	525	175	700	Smt. Kiran Maheshwari (Old Rajasthan cabinet minister) Smt. Jaymala Porwal Smt. Kanchan Soni
131	Udhna	357	80	437	Smt. Anjana Chouhan (cyber Crime Inspector)
132	Uttar Howrah	7	33	40	Sudha Jaiswal babita Jain Gita rai
133	Vaapi	45	25	70	Poonam Devi Doot Saroj Devi Surana Tara Devi Duggad Pushpa Devi Kachhara
134	Valsad	35	15	50	Dr. Ankita Marjadi
135	Vijay Nagram	30	37	67	Mrs. Kommujulu saraswati (Sabala Organisation Director) Mrs. Jyoti Bachawat (Pinciple Of Gayatri School)
136	Vijayawada	20	31	51	Dr. Boley Kerthi
137	Vijaynagar	61	97	158	Dr. Seema jain Suraksha Ji Munoth
138	Vishakapatnam	74	70	144	M.suneetha Rani (DY. Asst. Commisioner) Dr.PA Ramni (MS DGO Fams)
139	YeshwanthPur	70	125	195	Dr. Sushita david
TOTAL		**10147**	**13062**	**22867**	**214**

पश्चिम महाराष्ट्र आंचलिक महिला एवं कन्या कार्यशाला
''परिष्कार - करें स्वयं का''

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मडल के निर्देशानुसार तेरापथ महिला मंडल इचलकरंजी के तत्वाधान में 21 फरवरी 2020 को परिष्कार स्वयं का कार्यशाला का आगाज, संघ महानिर्देशिका साध्वीप्रमुखा श्री कनकप्रभा जी के सानिध्य में हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ हुआ नमस्कार महामंत्र से स्थानीय महिला मंडल एवं कन्या मंडल की बहनों ने परिष्कार गीत द्वारा मंगलाचरण किया। अध्यक्ष सीमादेवी डागा ने सभी क्षेत्रों से पधारे सदस्यों का स्वागत अभिनंदन करते हुए कहा कि परिष्कार का अर्थ है कमियों का संशोधन करना। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी बैद ने नारी शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन की कमियों को दूर करना बदलाव लाना परिष्कार है। परिष्कार से जीवन का विकास होता है। व्यक्ति के आचार विचार और व्यवहार में परिष्कार करना अति आवश्यक है, वह हो सकता है सकारात्मक सीच से, सच्चाई के मार्ग पर चलने से और अहं का त्याग करने से। श्रीमती पुष्पा जी ने WOW - women on wheels के पोस्टर का विमोचन करते हुए सभी बहनों को इस महा अभियान में भाग लेने की प्रेरणा दी। महामंत्री श्रीमती तरुणा जी ने कहा कि नारी अपनी योग्यता को स्वयं पहचाने और विकास एवं परिष्कार करें। नारी स्वयं को पहचाने और परिष्कृत जीवन जीए। शासन गौरव साध्वी श्री कल्पलता जी ने अपने उद्‌बोधन में फरमाया की परिष्कार का अर्थ है परिमार्जन स्वयं का। स्वस्थ बनने के लिए परिष्कार और परिष्कार के लिए बहिष्कार आवश्यक है। इंटरनेट की वजह से जीवन शैली में जो बदलाव आ रहे हैं उनका बहिष्कार करना और संस्कारों का आविष्कार करने से जीवन में परिष्कार होगा। भारतीय संस्कृति को परिवार में लागू करें और साहस, विवेक और ध्यान से जीवन का परिष्कार करें। असाधारण साध्वीप्रमुखा श्री कनकप्रभा जी ने अपने मंगल उद्‌बोधन देते हुए फरमाया कि जीवन गतिशील है समय के साथ बदलता रहता है। आचार्य श्री तुलसी की बदौलत महिलाओं ने विकास किया है, लेकिन जब तक वीतराग नहीं बनते तब तक परिष्कार करें। परिष्कार परिधान में, खानपान में होना चाहिए उसके लिए संस्कारों का उपयोग ले स्वयं को परिष्कृत करें तभी परिवार और समाज की प्रगति होगी। अभातेममं रा.का.स. श्रीमती जयश्री जी जोगड़ ने मंच संचालन किया। मंत्री सपना बालड़ ने सभी का आभार ज्ञापन किया। पश्चिम महाराष्ट्र के जयसिंहपुर, सोलापुर, पुणे, पिंपरी चिंचवड, इचलकरंजी, औरंगाबाद, उत्तरी कर्नाटक आदि क्षेत्रों से लगभग 400 बहने इस कार्यशाला में संभागी बनी।

आवश्यक निर्देश

1. सभी शाखा मंडलों को सूचित किया जाता है कि कन्या सुरक्षा सर्कल और बैंचेज 2019-21 के विजन में नहीं है। हाँ आप फिजियोथैरेपी सेंटर खोल सकते हैं।
2. अब तक 45,500 आयम्बिल के आंकड़े आ चुके है। लक्ष्य 51,000 आयम्बिल भेंट का है सो बहिनों अगर आप सावन भादवों में आयम्बिल करते है या सामूहिक आयम्बिल एकान्तर तप करते है तो वह भी मान्य होगा। अभी भी समय है अपने क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा आयम्बिल करवाएं व इसके आंकड़े प्रभाजी दुगड़ को जरूर प्रेषित कर दें।
3. फरवरी माह की नारीलोक में सभी शाखा मंडल को ऑनलाइन प्रतिवेदन की रिर्पोट भेजने के लिए सूचित किया गया था। शाखा मंडल 15 अप्रैल तक यह रिपोर्ट महामंत्री को भेज देवें।
4. नारीलोक प्रश्नोत्तरी के उत्तर अप्रेल में न भेजकर अप्रेल-मई के साथ ही भेजे दें। Women on Wheels रैली की रिर्पोट 15 अप्रेल तक जरूर भेज दें।
5. वर्तमान में कोरोना वायरस की जो भयावह स्थिति को देखते हुए शाखा मंडल वृहद स्तरीय प्रोग्राम आयोजित न करें।
6. सभी शाखा मंडल ज्यादा से ज्यादा Sanitary Pad Disposable Machine (Incinerators) अपने क्षेत्र के स्कूल या कॉलेज में लगवाएं। इसके लिए आप वन्दना जी विनायकया से सम्पर्क कर सकते हैं।
7. सदस्य जनगणना की रिपोर्ट अभी तक काफी क्षेत्रों ने नहीं भेजी है। सभी शाखा मंडलों से निवेदन है रिपोर्ट जल्दी भेजें।
8. बहनें संगठन यात्राएं जल्दी से जल्दी करें।

तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा परिणाम - 2019

वर्ष 2019 में तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा के लिए 86 परीक्षा केन्द्रों से कुल 1346 फार्म भरे गये। इसमें से 689 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 636 परीक्षार्थियों ने सफलता प्राप्त की। परीक्षा परिणाम 92.3 प्रतिशत रहा। इस वर्ष तत्त्वप्रचेता 48, व तेरापंथ प्रचेता 9 बने। सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से ढ़ेरों बधाईयां।

TOPPERS LIST

Tatwagyan Year I (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Shilpa Chhajer	8603	2019	Balotara	851	99.5	97.5			197	I
2	Tammana Bhandari	8606	2019	Balotara	854	98.5	98.5			197	I
3	Khushbu Talesara	8365	2019	Mumbai(Kandivilli)	296	99	97			196	II
4	Mayuri Pitalia	8499	2019	Amet	611	98.5	97.5			196	II
5	Rashmi Lodha	8501	2019	Amet	613	99	97			196	II
6	Anita Golechha	8585	2019	Balotara	833	99.5	96.5			196	II
7	Jyoti Bhansali	8629	2019	Ichalkaranji	895	99	97			196	II
8	Neeta R. Jain	8647	2019	Mumbai(Ghatkoper)	941	99.5	96.5			196	II
9	Abhilasha Dangi	8690	2019	Vijaynagar (Barg.)	1120	97.5	97.5			195	III

Tatwagyan Year II (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Priyanka Surana	8178	2018	Koppal	1324	99	100			199	I
2	Bobby Jain	7626	2017	Kantabaji	1103	98	100			198	II
3	Mamta Jain	7628	2017	Kantabaji	1104	99	99			198	II
4	Deepika Choraria	7687	2018	Ahmedabad	13	97	100			197	III
5	Smita Jain	7631	2017	Kantabaji	1108	99	98			197	III

Tatwagyan Year III (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Sweta Hirawat	7668	2017	Vijaywada	1140	100	100			200	I
2	Ranjana Dugar	7381	2017	Aurangabad	576	99	100			199	II
3	Shalini Lunkar	7487	2017	Salem	1295	98.5	99.5			198	III

Tatwagyan Year IV (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Chesta Surana	6662	2016	Aurangabad	579	98.5	95.5			194	I
2	Gunwanthy S. Dugar	6380	2016	Chennai	139	91	97			188	II
3	Chetna Karnawat	6257	2015	Nathdwara	999	92.5	94.5			187	III
4	Ankita Singhvi	7073	2016	Vasai Palghar	1073	96.5	90.5			187	III

Tatwagyan Year V (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Madhuri Babel	4212	2013	South Howrah	1217	99.5	95.5			195	I
2	Sushma Gulgulia	5249	2014	Kolkata (South)	289	97.5	96.5			194	II
3	Hema Dugar	5145	2014	Kolkata Purvanchal	1162	99.5	93.5			193	III

Tatwagyan Year VI (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Samta Ranka	3506	2012	Banglore	82	100	98	50	50	298	I
2	Manju Chhajer	5167	2014	Kolkata (South)	293	97.5	94.5	49.5	45.5	287	II
3	Sumita Bengani	5272	2014	Mumbai(Kandivilli)	309	94.5	95	45.5	42	277	III

TOPPERS LIST

Terapanth Darshan Year I (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Mamta Shah	8283	2019	Banglore	45	83.5	76.5			160	I
2	Sapna Dagalia	8548	2019	Mumbai (Thane)	731	76.5	72.5			149	II
3	Shilpa Badala	8649	2019	Mumbai (Ghatkoper)	943	76	65			141	III

Terapanth Darshan Year II (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Pukhraj Sethia (Dr)	7813	2018	Kolkata (South)	269	83.5	87.5			171	I
2	Sumati Sethia	7936	2018	Guwahati	596	79.5	85.5			165	II
3	Kanta Choraria	7812	2018	Kolkata (South)	268	82.5	75.5			158	III

Terapanth Darshan Year III (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Kamla Bhansali	7261	2017	Mumbai (Kandivilli)	302	80.5	84.5			165	I
2	Shanti Banthia	7258	2017	Kolkata (South)	278	75.5	80.5			156	II
3	Madhu Dugar	7266	2017	Silchar	316	69	85			154	III

Terapanth Darshan Year IV (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Pushpa Minni	5879	2015	Sardarsahar	571	78.5	77.5			156	I
2	Shashi Binayakia	6602	2016	Cuttack	439	80.5	67.5			148	II
3	Vimla Daglia	4440	2013	Mumbai (Thane)	739	72.5	70.5			143	III

Terapanth Darshan Year V (Batch 2019)

S. No.	Name	Reg. No.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Ranjana Marothi	5686	2015	Ahmedabad	25	80.5	89.5	37	39	246	I
2	Indira Lunia	4513	2013	Cuttack	441	80.5	77.5	39	36	233	II
3	Nutan Vinayakiya	5341	2014	Cuttack	442	60.5	66.5	35	38	200	III

- वर्ष 2019 तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन का परीक्षा परिणाम घोषित हो चुका है। परीक्षा परिणाम अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की वेबसाइट www.abtmm.org पर देखा जा सकता है।
- परीक्षा परिणाम, मार्कशीट, तेरापंथ दर्शन/तत्त्वज्ञान, तत्वविज्ञ के फार्म अतिशीघ्र परीक्षा केन्द्रों को भेज रहे हैं।
- द्वितीय वर्ष तथा उसके ऊपर की कक्षा के परीक्षार्थी फार्म के साथ मार्कशीट की फोटोकॉपी संलग्न करें। तत्वज्ञान के 6 वर्ष पूरे कर लिये हो वे तत्वविज्ञ के फार्म भर सकते हैं।
- तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन के फार्म के साथ 100/- रूपये प्रवेश शुल्क राशि व तत्त्वविज्ञ के फार्म की प्रवेश शुल्क राशि 200/- abtmm के a/c no. 10272010000350 में डलवाकर बैंक स्लिप की फोटोकॉपी साथ में अवश्य संलग्न करें।
- यदि किसी परीक्षार्थी को रिचेकिंग करवानी हो तो उस क्षेत्र की व्यवस्थापिका या परीक्षार्थी एक पत्र में अपना नाम, क्षेत्र का नाम, रोल नं., रजिस्ट्रेशन नं. तथा कौन सा पेपर (प्रथम/द्वितीय) करवाना है लिखकर भेजें, साथ में रिचेकिंग शुल्क 250/- रूपये abtmm अकाउन्ट में जमा करवाकर स्लिप की फोटोकॉपी भेज दें।
- 1 मई तक आप रिचेक आवेदन दे सकते हैं। फोन नं. अवश्य लिखें। जून तक उनका रिजल्ट आ जायेगा। रिचेकिंग हेतु मंजु भूतोड़िया के पते पर पत्र भेजें।
- परीक्षा केन्द्र के लिए कम से कम 8 परीक्षार्थियों के फार्म भेजना आवश्यक है अन्यथा मान्य नहीं होंगे। फार्म भेजने की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2020 है।
- किसी को भी पुस्तकों की आवश्यकता हो हमारे रोहिणी कार्यालय प्रभारी श्री सुनीलजी - 7733888138 से संपर्क करें।
- फार्म व रिचेक पत्र इस पते पर भेजें - श्रीमती मंजु भूतोड़िया, डी-68, द्वितीय तल, कीर्तिनगर, नई दिल्ली - 15

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

के तत्वावधान में

पूज्य गुरुदेव की रास्ते की सेवा-उपासना का उपक्रम

श्रावक के बारहवें व्रत की आराधना में संलग्न

तेरापंथ महिला मंडल

भा व ना * से वा

फरवरी २०२०

मैसूर

अहमदाबाद

सूरत

जयपुर शहर

गरिमामय उपस्थिति

साधुवाद
अनुमोदना

पुष्पा बैद
अध्यक्ष

तरुणा बोहरा
महामंत्री

पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी, शुभदृष्टि व स्नेह का सागर असाधारण साध्वी प्रमुखा श्रीकनक प्रभाजी के स्नेह संवर्द्धन से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में शाखा मंडलों की सहभागिता से आचार्यश्री के सान्निध्य में गुरुसेवा ''भावना सेवा'' का ऐतिहासिक उपक्रम प्रभावी रूप से समायोजित हो रहा है। भावना सेवा में लगातार शाखा मंडल सेवा व निर्जरा का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। जिन क्षेत्रों ने अभी तक सेवाएं नहीं दी है वे शाखा मंडल भावना सेवा से जुड़ने का अवश्य प्रयास करें।

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी - अप्रैल 2020

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

आप सभी ज्ञानाराधना के इस यज्ञ में स्वयं को सहभागी बनाकर सम्यक दिशा की ओर गतिमान हो रहे है। क्योंकि हमारी मंजिल की ओर ले जाने वाले मार्ग को ज्ञान ही प्रकाशित कर सकता है और ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी के माध्यम से हम ज्ञान रुपी प्रकाश को प्राप्त कर रहे है। इस माह में कुल 100 क्षेत्र से 2486 प्रविष्टियां प्राप्त हुई।

सर्वाधिक प्रविष्टियां भेजने वाले क्षेत्र है - मुंबई - 292, बालोतरा - 163, अहमदाबाद - 158, जयपुर शहर - 145, सूरत - 132, जसोल - 100, बीकानेर - 77, राजनगर - 70 हावड़ा - 76, उदयपुर - 65, चैन्नई - 72 और इन्दौर से 52 प्रविष्टियां प्राप्त हुई। सभी को बहुत-बहुत साधुवाद।

नोट :

- उत्तर फुल साइज पेपर पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं जितना पूछा जाए उतना ही लिखें।
- उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम, फोन नं. और पूरा पता पिनकोड सहित लिखा हुआ ही मान्य किया जाएगा।
- अगर एक से अधिक संख्या में प्रविष्टियां एक ही लिफाफे में भेजते है तो लिफाफे के ऊपर प्रविष्टियों की संख्या अवश्य लिखे।
- उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती मधु देरासरिया के पते पर अवश्य पहुँच जाए।

Mrs. Madhu Jain Derasaria C/o Mr. Devendra Jain
5/C Meghsaraman Apt. Tower-I, Citilight-395007, Surat (Gujrat)
Mob. : 9427133069

प्रश्नोत्तरी

संदर्भ पुस्तक - संबोधि पृष्ठ संख्या 66 से 72 (अध्याय 6 क्रिया - अक्रियावाद)
कर्मवाद पृष्ठ संख्या 78 से 92 (आवेग :- अपआवेग)

(अ) प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए।

1. कर्मशास्त्र के अनुसार मुख्य आवेग कितने है और कौन कौन से?
2. बौद्धिक चेतना के विकास का संबंध किससे है?
3. मनोविज्ञान की भाषा में जब आवेग प्रबल होता है तो क्या होता है?
4. मानसशास्त्र के अनुसार आवेग कितने और कौन-कौन से है?
5. अनन्तानुबंधी अवस्था का विलय होते ही क्या होता है?
6. पहला आवेग टूटता है तब किसकी उपलब्धि होती है?
7. अनेकान्त दर्शन के कितने व कौन-कौन से पक्ष है?
8. वीतराग की ओर बढ़ने में बाधक कौन है?
9. क्षमोपशमन का अर्थ क्या है?
10. साधना का केन्द्र बिन्दु क्या है?

11. कर्मशास्त्र के अनुसार आवेग नियंत्रण की पद्धतियां कौन-कौन सी है?
12. भगवान महावीर द्वारा दी गयी साधु-जीवन की व्यवस्था का कालमान कितना है?
13. आवेग की चार स्थितियां कौन-कौन सी है?
14. अहिंसा की आराधना कौन कर सकता है?
15. अप्रमतता किसका हेतु है?
16. जो साक्षातदर्शी नहीं है उसे क्या कहते है?
17. पौषधं अर्थात्?
18. अर्चिमाली किसे कहते है?
19. कर्मसत्यः अर्थात?
20. अपूर्ण धार्मिक किसे कहते हैं?

मार्च माह के उत्तर

(अ) सही वाक्य बनाइये -

1. दृष्टिकोण और आचरण-दोनों में विकृति के बीज अंकुरित होते है। (स्वप्न)
2. व्यवहार राशि के जीवों की दो श्रेणियां है - एक है कृष्ण पक्ष और दूसरी है शुक्ल पक्ष। (एकेन्द्रिय)
3. आत्मा की अभिव्यक्ति का माध्यम है शरीर। (समता)
4. कर्मवाद में परिस्थिति का भी स्थान है, निमित्त का भी स्थान है। (घटना)
5. हमारी क्षमता का प्रतीक है पुरुषार्थ। (मन)
6. एक अज्ञान और एक मोह - ये प्रभावक तथ्य है जीवन के। (दर्शन)
7. जो कोई भी जीव मुक्त होता है, वह व्यवहार - राशि से मुक्त होता है। (अजीव)
8. योग्यात्मक क्षमता आत्मा का गुण है। (अवगुण)
9. जो प्रिय और अप्रिय में समान रहता है, वह समदृष्टि होता है। (क्षमा)
10. धर्म का पहला लक्षण है अहिंसा और दूसरा लक्षण है तितिक्षा। (कर्म)
11. स्वाध्याय और ध्यान - ये विशुद्धि की स्थिरता के हेतु हैं। (मुक्ति)
12. जो तीर्थंकर हो चुके, होंगे या है, उन सबने इसी अहिंसा धर्म का निरुपण किया है। (रात्रि)
13. जो आत्मीय गुणों में स्वत्व की बुद्धि रखता है, उसे भय नहीं होता। (निराशा)
14. अहिंसा के सिद्ध हो जाने पर समता की उर्मियां सर्वत्र उछलने लगती है। (मंगल)
15. व्यक्ति से पहले मोक्ष की अभिलाषा। (तीर्यंच)

(ब) उल्टे सीधे शब्द को संयोजित कर सही शब्द बनाएं।

1. परिमितभोजी
2. संविहितम्
3. अव्याहत
4. अप्रतिष्ठित क्रोध
5. शोकाकुल

(स) केवल एक शब्द में उत्तर दीजिए

1. काल लब्धि

फरवरी माह के विजेता

1.	श्रीमती तरूणा कोठारी	सायण मुंबई	6.	श्रीमती कविता आच्छा	हैदराबाद
2.	श्रीमती शांति बांठिया	साउथ कोलकत्ता	7.	श्रीमती आशा बोथरा	सूरत
3.	श्रीमती माला संकलेचा	जसोल	8.	श्रीमती मधु दुगड़	बीरगंज (नेपाल)
4.	श्रीमती मंजु गोलेच्छा	बालोतरा	9.	श्रीमती स्नेहा बोथरा	लूणकरणसर
5.	श्रीमती पिंकी संकलेचा	अहमदाबाद	10.	श्रीमती चंदा सेठिया	दलखोला

नारी लोक प्रश्नोत्तरी में विशेष सहयोगी परिवार

स्व. श्री बालचंद – मोहनी देवी, जयसिंह – मीता चौरड़िया, बीदासर – मुंबई।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से हार्दिक आभार

साभार

तत्वज्ञान तेरापंथ दर्शन में सहयोगी परिवार – सम्माननीय तत्वज्ञ श्राविका श्रीमती रतनी देवी, सुपुत्र श्री सुमतिचंद –सुमन जी, योगेन्द्र–नीलम जी गोठी (मुम्बई–सरदारशहर) जिनके विशेष सहयोग से तत्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन, पाठ्यक्रम का सुचारुरूप से संचालन हो रहा है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से गोठी परिवार का हार्दिक आभार।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

1,00,000	श्रीमती गुलाब देवी – पदमचंद पटावरी (मोमासर – राजसमंद) द्वारा भावना सेवा में सप्रेम भेंट।
51,000	श्रीमती निर्मला देवी ओस्तवाल सेवा संस्थान भीलवाड़ा द्वारा सप्रेम भेंट।
35,000	'गिड़ियाज' बैंगलुरु निवासी द्वारा सेवा भावना में सप्रेम भेंट।
11,000	विजयसिंहजी, राजकुमारजी, चंदा देवी, सुमन देवी नाहटा (दिल्ली, गुवाहाटी एवं सुजानगढ़) द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	सरस्वती देवी, प्रकाशचंद बाफना (बैंगलुरु – कानाना) द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमती निर्मला देवेन्द्र जी चण्डालिया (वाशी – मुंबई) द्वारा सुपुत्र दर्शन संग मनीषा के विवाह के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
5,100	श्रीमान् राकेश – तरूणा बोहरा –महामंत्री (तासोल–मुंबई) द्वारा शादी की सालगिरह पर सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अध्यक्षीय कार्यालय : श्रीमती पुष्पा बैद – ''पावन'' बी–106/107, विद्युत नगर–बी, क्वीन्स रोड़, जयपुर – 302021
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : CA तरूणा बोहरा – 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई – 400068
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती रंजु लुणिया – लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास, शिलोंग–793001 (मेघालय) मोः 94361033330, 8787645164 ईमेल lmplshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org